बिहार-विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि २९ मार्च, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS

हरिजन नगरपालिका कर्मचारियों के लिये अनुदान।

२३८। श्री भागवत प्रसाद—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बिहार सरकार ने कुछ वर्ष पहले अपने बजट में तीन लाख पये नगरपालिकाओं में काम करने वाले हरिजन कर्मचारियों के घर बनवाने के लिये रखा था जिसे विभिन्न नगरपालिकाओं को खर्च करने के लिये अनुदान रूप में दिया गया था;

(ख) क्या यह बात सही है कि १९५४-५५ के बजट में भी इस काम के लिये दो लाख रुपये हैं;

(ग) क्या यह बात सही है कि गत बार कई नगरपालिकाओं ने उस अनुदान से हरिजन कर्मचारियों का मकान नहीं बनाया तथा कुछ ने उक्त अनुदान को एकदम दूसरे काम में खर्च कर दिया;

(घ) पूर्व अनुभव के आधार पर सरकार क्या इस बार भी उक्त दो लाख रुपयों को नगरपालिकाओं द्वारा खर्च करने का निश्चय करना चाहती है, यदि हां, तो क्यों?

श्री भोला पासवान—(क) १९५०-५१ एवं १९५१-५२ के आर्थिक वर्ष में ७,१७,५०० रुपये की रकम राज्य के २८ नगरपालिकाओं को उनमें काम करने वाले मेहतरों के मकान बनवाने के लिये उन्हीं के द्वारा खर्च करने के लिये अनुदान के रूप में दिया गया था। इस आशय का एक विवरण मेज पर रखा गया है।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) अभी तक कुछ कठिनाइयों के कारण भागलपुर, कौलगांव, आरा और पुरुलिया में मकान नहीं बन सके। सिर्फ कौलगांव नगरपालिका ने अनुदान की रकम को दूसरे मद में खर्च कर दिया था परन्तु उचित कार्रवाई के पश्चात् शीघ्रातिशीघ्र मकान बनाने का आश्वासन मिला है।

(घ) यह बात सरकार के विचाराधीन है।

श्री भागवत प्रसाद—जिन चार नगरपालिकाओं ने काम समय पर नहीं किया उनके वि द्ध सरकार ने कौन-सी कार्रवाई की?

श्री भोला पासवान—जल्द से जल्द मकान बनवाने के लिये लिखा गया है।

श्री भागवत प्रसाद—दूसरे मद में रुपया खर्च किया गया इसके लिये सरकार ने क्या किया ?

श्री भोला पासवान—मैंने बतलाया कि उन्हें लिखा गया कि जल्द से जल्द मकान बनवा दें।

श्री भागवत प्रसाद—इन चार नगरपालिकाओं के पास इस मद के लिये कितने रुपये पड़े हुए हैं ?

श्री भोला पासवान—यह मुझे मालूम नहीं है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि किस प्रयोजन के लिए यह पया दिया गया था ?

अध्यक्ष—यह सवाल नहीं उठता है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—जब रुपया एक खास काम के लिए दिया गया जो सरकारी रुपया था तो क्या नगरपालिका को हक था कि दूसरे मद में उसे खर्च कर दे ?

अध्यक्ष—जब रुपया इयरमार्कड था तो उसका उत्तर साफ है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—नगरपालिका ने ऐसा क्यों किया ?

श्री भोला पासवान—आप जानते हैं कि नगरपालिका को अक्सर आर्थिक दिक्कत हो जाती है लेकिन जैसा मैंने बतलाया काम को पूरा करने के लिये मैंने लिखा है।

क्रम संख्या।	नगरपालिकाओं की नामावली।	अनुदान की राशि।	वर्ष और दिनांक जिस दिन अनुदान की राशि नगरपालिकाओं को दी गयी।	मकान बनने में कहां तक प्रगति हुई है उसकी वर्तमान परिस्थिति।
१	२	३	४	५
१	पटना कारपोरेशन	१,२०,०००	३१-३-१९५१	अधिकांश मकान बन चुके हैं सिर्फ थोड़ा ही और रह गया है जिनके आलेख्य और आगणन में परिवर्तन करने की आवश्यकता है।
२	मजफ्फरपुर ..	३०,०००	३१-३-१९५१	मकान बन गये हैं।

क्रम संख्या।	नगरपालिकाओं की नामावली।	अनुदान की राशि।	वर्ष और दिनांक जिस दिन अनुदान की राशि नगरपालिकाओं को दी गयी।	मकान बनने में कहां तक प्रगति हुई है उसकी वर्तमान परिस्थिति।
१	२	३	४	५
३	दरभंगा ..	३०,०००	३१-३-१९५१	काम करीब-करीब खतम हो रहा है।
४	भागलपुर ..	३०,०००	३१-३-१९५१	जमीन प्राप्त करने के लिये आवश्यक कारवाई की जा रही है।
५	रांची ..	३०,०००	३१-३-१९५१	काम समाप्त हो गया है।
६	हजारीबाग ..	३०,०००	३१-३-१९५१	टेन्डर मांगा गया है और काम शीघ्र शुरू हो जाने की संभावना है।
७	गया ..	३०,०००	३१-३-१९५१	काम समाप्त हो गया है।
८	आरा ..	३०,०००	३१-३-१९५१	अभीतक कोई ऐसी जगह नहीं मिल रही है जहां मकान बनाने से मेहतर लोग स्वेच्छा से रह सकें।
९	कटिहार ..	३०,०००	३१-३-१९५१	काम करीब-करीब समाप्त हो गया है।
१०	दुमका ..	१५,०००	३१-३-१९५१	मकान बन गया है।
११	मोतिहारी ..	५५,०००	२२-४-१९५२	८० प्रतिशत काम समाप्त हो गया है।
१२	देवघर ..	११,०००	१७-५-१९५२	मकान बन गया है।
१३	दानापुर निजामत	१६,५००	१२-५-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
१४	किशनगंज ..	२७,५००	३१-३-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
१५	धनवाद ..	१६,५००	३१-३-१९५२	मकान बनाने का काम समाप्त हो गया है सिर्फ सिमेंट का प्लास्टर करना अवशेष रह गया है।

क्रम संख्या।	नगरपालिकाओं की नामावली।	अनुदान की राशि।	व और दिनांक जिस अनुदान की राशि नगरपालिकाओं को दी गयी।	मकान बनने में कहां तक प्रगति हुई है उसकी वर्त्तमान परिस्थिति।
१	२	३	४	५
१६	पुरुलिया ..	२२,०००	२८-४-१९५२	मकान नहीं बन सके हैं।
१७	टेकारी ..	११,०००	१२-५-१९५२	काम शुरू हो गया है।
१८	मुंगेर ..	११,०००	३१-३-१९५२	काम समाप्त तो हो गया है परन्तु मकान सरकारी आलेख्य आगणन के अनुसार नहीं बन पाया है। इसके लिये आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।
१९	लालगंज ..	१६,५००	जून, १९५२	काम करीब-करीब समाप्त हो गया है सिर्फ सिमेंट का प्लास्टर करना बाकी है।
२०	कोलगांव ..	११,०००	३१-३-१९५२	मकान अभी तक नहीं बन पाया है। नगरपालिका के अध्यक्ष ने मार्च, १९५५ तक की अवधि मांगी है।
२१	मधुपुर ..	११,०००	१७-४-१९५२	मकान बन गया है।
२२	दाउदनगर (गया)	११,०००	१७-४-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
२३	बिहार नगरपालिका	३८,५००	१७-४-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
२४	सीतामढ़ी ..	२७,५००	३१-३-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
२५	मधुबनी ..	२७,५००	२२-४-१९५२	काम करीब-करीब समाप्त हो गया है।
२६	जमालपुर ..	१६,५००	१०-५-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
२७	सहसराम ..	१६,५००	१०-५-१९५२	काम समाप्त हो गया है।
२८	फौरवीसगंज ..	११,०००	१०-५-१९५२	काम करीब-करीब समाप्त हो गया है।